TOB बालमंच

मासिक जनवरी- 2022 नन्हीं कलम से .....

स्थापना सह गणतंत्र दिवस विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

क्यों फटती है सर्दियों में ओठ ?

क्रिएटिव डिजाइनर सह सम्पादक :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

अंक- 20

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

Created with PDFBear.com

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों,

सरकारी विद्यालय के बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच, नन्हीं कलम से...✍□" का 20 वां अंक आपको सौंपते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह अंक बेहद खास और उत्साहित करने तथा सीख देने वाला गणतंत्र दिवस विशेषांक है।

बच्चों, गणतंत्र दिवस के इतिहास से आप शायद भलीभांति परिचित होंगे । हमारे लिए बड़ा ही ऐतिहासिक दिन था जब भारतीय संविधान को 26 जनवरी 1950 ईस्वी में अपनाया गया अर्थात लागू किया गया था। आज मैं आपको जरूर बताना चाहूंगी कि संविधान क्या है?

भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।अब आप समझ गए होंगे कि संविधान के बदौलत ही हम अभिशासित होते हैं। अतः यह अंक हमें हमारे देश के उत्कृष्ट नागरिक बनने हेतु प्रेरित भी करता है।

यह जनवरी महीना हमारे लिए एक और बात के लिए खास है। बच्चों आपको पता है कि टीचर्स ऑफ बिहार द चेंज मेकर्स जो बहुत ही सुनहरा मंच है शिक्षकों तथा बच्चों के लिए, का स्थापना दिवस 20 जनवरी को ही मनाया जाता है। हम इसे स्थापना महोत्सव के रूप में 20 फरवरी तक मनाएंगे। यह हमारे लिए अति हर्ष उल्लास की बात है। इस उत्साह के अवसर पर टीचर्स ऑफ बिहार गीत भी लांच किया गया,जिसे आप मैगजीन में पढ़कर गा सकते हैं।

उम्मीद है आपकी मेहनत और लगन इस मंच को उड़ने के लिए एक नया आसमान देगा।

बच्चों यह अंक आपको कैसा लगा? इसे ई-मेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य बताएं।हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों तथा बालमंच की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ .....

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका. ToB बालमंच

Created with
PDFBear.com

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

हर साल 26 जनवरी को भारत अपना गणतंत्र दिवस मनाता है क्योंकि इसी दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। इसे हम सभी राष्ट्रीय पर्व के रुप में मनाते है और इस दिन को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया है। इसके अलावा गाँधी जयंती और स्वतंत्रता दिवस को भी राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया है। भारतीय संसद में भारत के संविधान के लागू होते ही हमारा देश पूरी तरह से लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया।

बच्चों, आजादी के बाद एक ड्राफ्टिंग कमेटी को 28 अगस्त 1947 की मीटिंग में भारत के स्थायी संविधान का प्रारुप तैयार करने को कहा गया। 4 नवंबर 1947 को डॉ बी.आर.अंबेडकर की अध्यक्षता में भारतीय संविधान के प्रारुप को सदन में रखा गया। 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन में संविधान बनकर तैयार हुआ। आखिरकार इंतजार की घड़ी 26 जनवरी 1950 को इसको लागू होने के साथ ही खत्म हुई। साथ ही पूर्ण स्वराज की प्रतिज्ञा का भी सम्मान हुआ।

इस दिन विद्यालय में आप सभी परेड, खेल, नाटक, भाषण, नृत्य, गायन, आदि कार्यक्रमों में भाग लेते हैं | इस दिन हर भारतीय को अपने देश को शांतिपूर्ण और विकसित बनाने के लिये प्रतिज्ञा करनी चाहिये। अंत में आप सबों का मुंह मीठा कराया जाता है |

बाल मंच का गणतंत्र दिवस विशेषांक आप सबों के समक्ष प्रस्तुत कर बहुत खुशी का अनुभव कर रहा हूं आशा है आप अपनी रचनाएं देखकर प्रफुल्लित होंगे | इस अंक में विद्यालयों के भी विभिन्न क्रियाकलापों को भी समावेशित किया गया है | आशा है ये अंक आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा | ढेर सारी शुभकामनाओं सहित.....

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

Created with
PDFBear.com

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
प्रूफ रीडर	:-	विकास कुमार, म.वि.महिसरहो,महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया. फारबिसगंज,(अररिया)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1. प्रधान सम्पादक की कलम से
2. सम्पादकीय
3. आवरण कथा
4. कविता
5. कहानी
6. हँसो रे बाबू
7. बूझो तो जानें
8. वैज्ञानिक कारण
9. कहानी बनाओ प्रतियोगिता
10. अखबारों की नजर में हम
11. उभरते सितारे
12. तकनीकी कोना
13. बालमन
14. विद्यालयी क्रियाकलाप
15. क्या आप जानते हैं ?
16. अंग्रेजी सीखें
17. ड्राइंग / पेंटिंग
18. उभरते सितारे
19. फोटो ऑफ़ द मंथ
20. हिंदी ज्ञान
21. प्रमुख दिवसें
22. प्रेरक प्रसंग
23. रोचक तथ्य
24. खेल-खेल में योग
25. तुम भी बनाओ.....
26. आपकी बात आपकी जुबानी

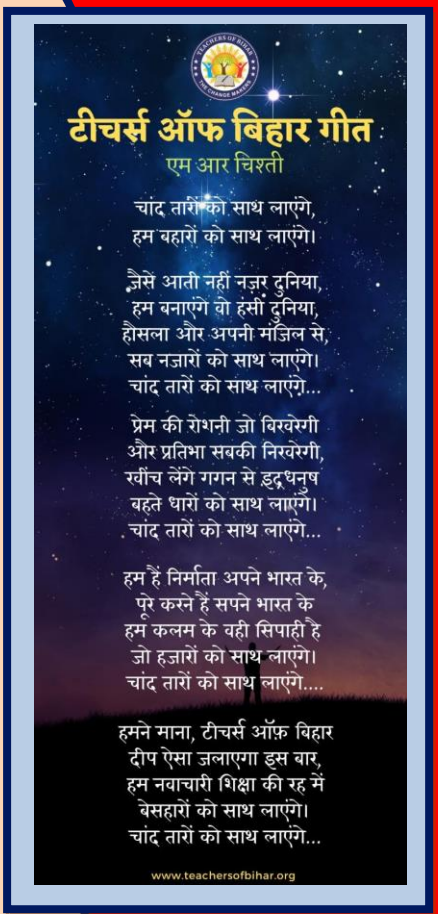

Created with PDFBear.com

प्रेरक प्रसंग

साबरमती आश्रम की बात है। एक दिन रात को एक चोर आ गया। चोर नासमझ था, नहीं तो आश्रम में चुराने के लिए भला क्या था! संयोग से कोई आश्रमवासी जग गया उसने धीरे से कुछ और लोगों को जगा दिया। सबने मिलकर चोर को पकड़ लिया और कोठरी में बंद कर दिया।

व्यवस्थापक ने प्रातः यह खबर बापू को दी और चोर को उनके सामने पेश किया। बापू ने निगाह उठाकर उसकी ओर देखा। वह नौजवान सिर झुकाए आतंकित खड़ा था कि बापू उससे नाराज हैं और हो सकता है कि उसे पुलिस को सौंप दें।बापू ने जो किया, उसकी तो वह स्वप्न में भी कल्पना नहीं कर सकता था। बापू ने उससे पूछा, “क्यों तुमने नाश्ता किया?” कोई उत्तर न मिलने पर उन्होंने व्यवस्थापक की ओर प्रश्नभरी मुद्रा में देखा। व्यवस्थापक ने कहा, “बापू! यह तो चोर है,

शुभकामना संदेश

रामदहिन प्रसाद

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, फलका (कटिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अतिशय प्रसन्नता हो रही है कि [illegible] ई-पत्रिका 'बालमंच' का प्रकाशन नौनिहालों एवं अध्यापकों के लिए किया जा रहा है। यह पत्रिका विद्यालय स्तर पर संचालित गतिविधियों की एक उज्ज्वल झाँकी प्रस्तुत करती है जिससे हमें विद्यालय की विशेषताओं एवं उपलब्धियों के बारे में सभी को जानने का अवसर प्रदान होता है। पत्रिका के सृजन में विद्यालय के अध्यापकों एवं बच्चों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें प्रकाशित होने वाले लेख, कहानियों, कविताओं व अन्य रचनाओं का संकलन विद्यालय के छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा किया जाता है फलस्वरूप बच्चों की प्रतिभा को निखारने का यह एक उत्तम अवसर प्रदान करता है।

मैं इस पत्रिका के लेखन एवं प्रकाशन कार्य से जुड़े सभी अध्यापकों एवं बच्चों को विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं एवं अपेक्षा रखता हूं कि विद्यालय के सभी पाठ्य सहगामी क्रियाओं का सुचारु रूप से संपादन करते रहेंगे ताकि बच्चों के बहुआयामी व्यक्तित्व का विकास एवं उन्नति हो सके।

आपका शुभेच्छु

[illegible]/1/2022

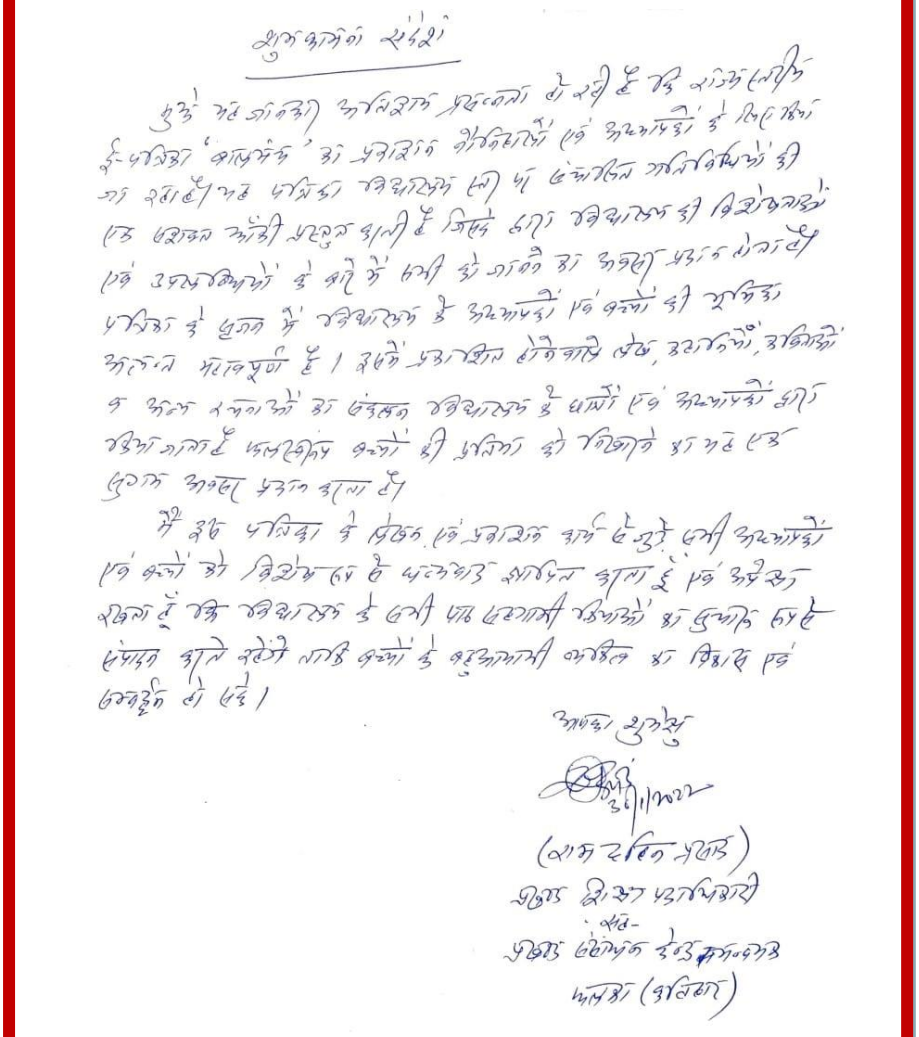

(राम दहिन प्रसाद)
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी
सह-
प्रखंड संसाधन केंद्र समन्वयक
फलका (कटिहार)

Created with
PDFBear.com

बापू का चेहरा गंभीर हो आया। दुःख भरे स्वर में बोले– "क्यों क्या यह इंसान नहीं है? इसे ले जाओ और नाश्ता कराओ।" व्यवस्थापक, जिसे चोर मानकर लाए थे, वह अब एक क्षण में इन्सान बन गया था। उसकी आँखों में प्रायश्चित के आँसू बह रहे थे।

करुणा ने बुद्ध को बुद्ध बनाया, प्रेम ने महावीर को महावीर बनाया, किंतु करुणा और प्रेम ने गाँधी को बापू बना दिया।

विकास कुमार,
म.वि.महिसरहो, महिषी
(सहरसा)

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें। उत्कृष्ट कहानी को टीचर्स ऑफ़ बिहार के तरफ से पुरष्कृत किया जाएगा। कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें। **फोटो- अन्नु कुमारी, सिलौटा, कैमूर**

बूझो तो जानें..

दिन में सोए - रात में रोए,

जितना रोये - उतना खोए।

उत्तर अगले अंक में .....
पिछले अंक का उत्तर- **छाता**

हंसो रे बाबू

शिक्षक - शादी में वर - वधु को 7 फेरे ही क्यों लगवाये जाते हैं?

छात्र - क्योंकि प्रत्येक फेरा 360° का होता है और 360 ऐसी संख्या है जो 1 से 9 तक के अंको में केवल 7 से विभाजित नहीं होती। इसलिए माना जाता है कि 7 फेरो का सम्बन्ध अविभाज्य है।।

इतना खतरनाक गणित!!

Annu Yadav, Class-8, UMS Silauta, Kaimur

क्या आप जानते हैं ?

Q. वह काल्पनिक रेखा जो पृथ्वी को दो भागों में बाँटती है, क्या कहलाती है
Ans. भूमध्य रेखा

Q. 66 1/2° दक्षिणी अक्षांश वृत कहाँ से होकर जाती है
Ans. मालागासी

Q. वह काल्पनिक रेखा जो भूमध्य रेखा को समकोण पर काटती है, क्या कहलाती है
Ans. देशांतर

Q. दो देशांतर रेखाओं के बीच की दूरी को किस नाम से जाना जाता है
Ans. गोरे

Q. एक देशांतर से दूसरे देशांतर के बीच कितना समयांतराल होता है
Ans. 4 मिनट

Q. किस अक्षांश रेखा पर रात व दिन समान होते हैं
Ans. भूमध्य रेखा पर

Q. 1° देशांतर की सबसे अधिक दूरी कहाँ होती है
Ans. विषुवत रेखा पर

Q. कुल अक्षांशों की संख्या कितनी है
Ans. 180

Q. कुल देशांतरों की संख्या कितनी है
Ans. 360

Q. विषुवत रेखा के समानांतर कल्पित रेखाओं को क्या कहते हैं
Ans. अक्षांश रेखा

Created with
PDFBear.com

अंग्रेजी सीखें

ARTICLE By- Tripurari Roy

Part–II

Count nouns - refers to items that can be counted and are either singular or plural

Non-count nouns - refers to items that are not counted and are always singular

	COUNT NOUNS	NON-COUNT NOUNS
Rule #1 Specific identity not known	*a, an*	(no article)
Rule #2 Specific identity known	*the*	*the*
Rule #3 All things *or* things in general	(no article)	(no article)

For the purposes of understanding how articles are used, it is important to know that nouns can be either **count** (can be counted) or **noncount** (indefinite in quantity and cannot be counted). In addition, count nouns are either **singular** (one) or **plural** (more than one). **Noncount** nouns are always in **singular** form.

CONTINUDE.....

फोटो ऑफ़ द मंथ

Sonam Kumari,
MS Bhanra
Chandan

तकनीकी कोना..... ई. शिवेंद्र सुमन

खान अकादमी ऐप गणित, अर्थशास्त्र, विज्ञान, वित्त, व्याकरण इतिहास और अन्य विषयों के लिए हजारों वीडियो और लेखों के माध्यम से ई-लर्निंग प्रदान करता है। यह छठी से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए भी लक्षित है। इनके सभी वीडियो को eLots के app एवम webiste पर भी वर्ग वार मैप किया गया है । ऐप छात्रों को अभ्यास प्रश्न, चरण-दर-चरण संकेत और त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। इसमें सामग्री के माध्यम से आसान नेविगेशन के लिए बुकमार्क फीचर, ऑफलाइन एक्सेस और ऐप और khanacademy.org के बीच डिवाइस सिंकिंग की सुविधा भी है।

AppUrl:
https://play.google.com/store/apps/details?id=org.khanacademy.android

प्रमुख दिवसें

1 जनवरी – नए वर्ष का प्रथम दिन
4 जनवरी – विश्व ब्रेल दिवस
10 जनवरी – विश्व हिंदी दिवस
10 जनवरी – विश्व हास्य
11 जनवरी – लाल बहादुर शास्त्री की पूण्यतिथि
12 जनवरी – राष्ट्रीय युवा दिवस
15 जनवरी – थल सेना दिवस
18 जनवरी – राष्ट्रीय पोलियो दिवस
21 जनवरी – मेघालय स्थापना दिवस
23 जनवरी – सुभाष चंद्र बोस जन्मदिवस
24 जनवरी – राष्ट्रीय बालिका दिवस
25 जनवरी – राष्ट्रीय मतदाता दिवस
25 जनवरी – राष्ट्रीय पर्यटन दिवस
26 जनवरी – अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिसव
26 जनवरी – भारतीय गणतंत्र दिवस
28 जनवरी – लाला लाजपत राय जयंती दिवस
30 जनवरी – राष्ट्रीय शहीद दिवस
30 जनवरी – विश्व कुष्ठ रोग निवारण दिवस

Created with PDFBear.com

हिंदी ज्ञान

निबंध लेखन (भाग-2)

किसी भी विषय पर लिखा जा सकता है । अभी के समय में सामाजिक , राजनीतिक और वैज्ञानिक आदि विषयों पर निबंध ज्यादा लिखा जाता है।

निबंध के 4 अंग होते हैं :-

1. **शीर्षक** : निबंध में हमेशा शीर्षक आकर्षक होना जरूरी है। शीर्षक पढ़ने से लोगों में उत्सुकता ज्यादा होती है।

2. **प्रस्तावना**: निबंध में सबसे श्रेष्ठ प्रस्तावना होती है, भूमिका नाम से भी इसे जाना जाता है । निबंध की शुरुआत में हमें किसी भी प्रकार की स्तुति , श्लोक या उदाहरण से करते हैं तो उसका अलग ही प्रभाव पड़ता है।

3. **विषय विस्तार** – निबंध में विषय विस्तार का सर्व प्रमुख अंश होता है, इसके अंदर तीन से चार अनुच्छेदों को अलग-अलग पहलुओं पर विचार प्रकट किया जा सकता है। निबंध लेखन में इसका संतुलन होना बहुत ही आवश्यक है। विषय विस्तार में निबंध कार अपने दृष्टिकोण को प्रकट करते हुए बता सकता है ।

4. **उपसंहार** – उपसंहार को निबंध में सबसे अंत में लिखा जाता है। पूरे निबंध में लिखी गई बातों को हम एक छोटे से अनुच्छेद में बता सकते हैं। इसके अंदर हम संदेश , उपदेश , विचारों या कविता की पंक्ति के माध्यम से भी निबंध को समाप्त कर सकते हैं । **क्रमशः** ....

बालमन

मैं अपने विद्यालय में हमेशा चित्र बनाते रहता मगर मेरे चित्रकारी को कुछ ही लोगो तक सराहा जाता था।मेरे घर वाले भी मुझसे कहते थे की तुम चित्रकारी क्यों करते रहते हो?

मैं चित्र बनाकर ऑनलाइन क्लास वाले ग्रुप में अपने शिक्षक धीरज सर भेजता था। उन्होंने मेरे पेंटिंग को बालमंच में भेज दिया। बालमंच में मेरी रचना को प्रकाशित कर मुझे सम्मानित किया गया और मुझे आगे और अच्छे चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। मुझे बालमंच में जुड़ने में अति प्रसन्नता हुई। मुझे ज्ञात नहीं था कि मैं चित्रकला के माध्यम से अच्छा करते हुए बाल मंच तक पहुंच जाऊंगा ।मेरी प्रथम चित्रकला नवंबर 2021 में बाल मंच पत्रिका में छपी और फिर दिसंबर 2021 में भी। मैं और अच्छी और सुंदर चित्र बनाकर बाल मंच में प्रस्तुत करूंगा और अधिक से अधिक अपने साथियों तक पहुचाऊंगा ताकि मेरे जैसे और बच्चों को प्रोत्साहन मिले और वे अपने हुनर को पूरे दुनिया को दिखा सके। अब मेरे अब्बा और अम्मी भी चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित करते है।

मेरे विद्यालय में भी मेरी एक अलग पहचान बन गई है।ये सब मेरे शिक्षक धीरज सर और बाल मंच के द्वारा ही संभव हो पाया है।इसके लिए मैं बालमंच की प्रधान संपादिका महोदया और संपादक महोदय का बहुत बहुत आभारी हूं। धन्यवाद बालमंच|

फुरकान आलम,, वर्ग 8
नगरपालिका उर्दू मध्य विद्यालय. भभुआ

आओ योग सीखें.....

गर्भासन

गर्भ का अर्थ होता है कोख। इस मुद्रा में शरीर भ्रूण का रूप ले लेता है इसलिए इसे गर्भासन करते हैं।यह आसान स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर स्त्रियों के लिए कुछ ज्यादा ही महत्वपूर्ण एवं लाभदायक है।

विधि-सबसे पहले आप पद्मासन में बैठ जाएं बाहों को प्रत्येक पांव की जांघों एवं पिंडलियों के बीच ऐसे ले जाएं की कोहनियां मुड़ सकें। जांघों को उठाइए और कानों को अंगुलियों से पकड़िए कुछ देर रुकने के बाद धीरे-धीरे अपने प्रारंभिक अवस्था में आ जाएं। इस तरह से इसका 3 से 5 बार अभ्यास करें।

गर्भासन के लाभ- स्त्रियों से संबंधित बहुत सारी परेशानियों का समाधान इस योगाभ्यास से होता है। महिलाओं की मासिक धर्म में उपयोगी योग है। यह आसान तंत्रिका तंत्र को मजबूत बनाता है। इसके अभ्यास से कब्ज कम करने में सहायता मिलती है। अगर आपको अपनी त्वचा की चमक और खूबसूरती को बनाए रखना है तो इस आसन का नियमित अभ्यास जरूर करें।

सावधानियां- गर्भवती महिला को इस आसन को करने से बचना चाहिए अगर आपके कमर या घुटने में दर्द हो तो यह आसन नहीं करना चाहिए।

****

Created with PDFBear.com

अखबारों के नजर में हम

दैनिक भास्कर मुजफ्फरपुर 22-01-2022

उपलब्धि : शिक्षक एमआर चिश्ती की रचना बनी टीचर्स ऑफ बिहार का गीत

मुजफ्फरपुर| बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार 20 फरवरी तक एक माह का अपना स्थापना दिवस मनाएगा। संस्था के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने कहा, इस महोत्सव में प्रतिदिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग गतिविधि आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने विगत वर्ष के कार्यों का वार्षिक रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। टीचर्स ऑफ बिहार गीत को भी अंगीकृत किया गया। इसकी रचना बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एमआर चिश्ती ने की। आने वाले समय में टीचर्स ऑफ बिहार के किसी भी कार्यक्रम या किसी भी रचना के प्रकाशन में "टीचर्स ऑफ बिहार गीत" को शामिल करते हुए प्रकाशित करने की भी घोषणा की गई। मौके पर शशिधर उज्ज्वल, चंदन श्रीवास्तव, शिवेंद्र सुमन, उमाकांत कुमार, कुमारी गुड्डी, चंद्रशेखर साहू, रूबी, केशव, मृत्युंजय ठाकुर, खुशबू कुमारी, मुदित कुमार, सत्यनारायण साह, रंजेश कुमार, मधु प्रिया, मृत्युंजयम, ज्योति कुमारी, मृदुला सिन्हा, सुनील कुमार, शैलेंद्र कुमार, शोएब अहमद, चंचल तिवारी आदि ने अपनी उपलब्धि बताई। यह जानकारी मॉडरेटर सह जिले के मुरौल प्रखंड स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय बखरी के शिक्षक केशव कुमार ने दी।

दैनिक भास्कर बेतिया 17-01-2022

स्कूल ऑन मोबाइल कार्यक्रम कल से होगा शुरू

5वीं-10वीं के छात्र फेसबुक से ऑनलाइन करेंगे पढ़ाई

एजुकेशन रिपोर्टर|मुजफ्फरपुर

अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 5वीं से 10वीं के बच्चे घर बैठे ही ऑनलाइन पढ़ाई करेंगे। इसकी शुरुआत मंगलवार से होगी। यह शुरुआत टीचर्स ऑफ बिहार की ओर से हुई है। इस अभियान का नाम स्कूल ऑन मोबाइल दिया है। टीचर्स ऑफ बिहार ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक ग्रुप से इसकी शुरुआत की है। बच्चे माता-पिता के मोबाइल फोन से जुड़कर अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 21 जनवरी तक स्कूलों को बंद रखा गया है। ऐसे में बच्चों का पठन-पाठन बाधित न हो, इसके लिए यह कदम उठाया गया है। यह जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के स्कूल ऑन मोबाइल फेसबुक ग्रुप के मॉडरेटर और मुरौल प्रखंड स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय बखरी के शिक्षक केशव कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि फेसबुक पर लाइव आकर शिक्षक कम डाटा खर्च करते हुए अपने ज्ञान को अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचा सकते हैं। लाइव कक्षाओं से नहीं जुड़ने वाले बाद में भी इसे देख सकेंगे। लाइव कक्षाओं के फेसबुक ग्रुप के लिंक को संक्षिप्त करते हुए एक जगह समेकित कर "स्कूल ऑन मोबाइल" की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

टीचर्स ऑफ बिहार के तृतीय स्थापना महोत्सव में काव्य पाठ का आयोजन

भागलपुर, अंग भारत। बिहार की सबसे बड़ी प्रोफ़ेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 20 जनवरी से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाले तृतीय स्थापना महोत्सव के अंतर्गत रविवार को ज़ूम ऐप के माध्यम से काव्य पाठ "काव्यांजलि 2.0" का आयोजन किया गया। इस काव्य पाठ में पूरे बिहार से 10 दस ऐसे रचनाकार शिक्षक, शिक्षिकाएं शामिल हुए। ऐसे दस रचनाकारों का चयन "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर किया गया। इन दस रचनाकारों में सीमा कुमारी, बेगूसराय, सत्यम कंठ, मुजफ्फरपुर, आरती कुमारी, मुजफ्फरपुर, निधि चौधरी, किशनगंज, विनोद उपाध्याय, अरवल, विमल कुमार विनोद, बांका, ज्योति रीता, अररिया, गिरिधर कुमार, कटिहार, कुमकुम कुमारी, मुंगेर, एम. एफ. हुसैन 'कैमूरी', कैमूर का नाम शामिल है। ज़ूम ऐप पर ऑनलाइन मोड 2.0 का संचालन किशनगंज की शिक्षिका निधि चौधरी ने किया। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने कहा सभी दस रचनाकारों को सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। टीम लीडर शिवेंद्र सुमन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसकी जानकारी टीम टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार ने दी।

4 नई दिल्ली, शनिवार 01 जनवरी, 2022

टीचर्स ऑफ बिहार की मासिक पत्रिका बाल मंच का 19 वां संस्करण हुआ प्रकाशित

समय वार्ता संवाददाता

(पटना)। बिहार के बच्चों एवं शिक्षकों के लिए समर्पित टीचर्स ऑफ बिहार की मासिक पत्रिका बाल मंच और 19वां संस्करण प्रकाशित किया गया।

बिहार के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के उत्कृष्ट क्रिया कलापों, रचनाओं एवं नवाचारी गतिविधियों को राज्य के सभी विद्यालयों के बच्चों एवं शिक्षकों तक पहुंचाने के लिए दृढ़ संकल्पित संरक्षक पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार, प्रधान संपादिका बांका जिला अंतर्गत बौंसी प्रखण्ड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी की शिक्षिका रूबी कुमारी, सम्पादक ग्राफिक डिजाइनर सहरसा जिला अंतर्गत महिषी प्रखण्ड स्थित मध्य विद्यालय रौंटी के शिक्षक त्रिपुरारी राय के सौजन्य से संपादित बिहार की एक मात्र शैक्षिक मासिक पत्रिका रबालमंच, नन्ही कलम सेर टीचर्स ऑफ बिहार की सबसे अनोखी पहल है, जिसमें बिहार के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के बीच आयोजित शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधि में नवाचारों के प्रयोगों को शामिल किया जाता है।

टीचर्स ऑफ बिहार की शैक्षिक मासिक पत्रिका बाल मंच के 19 वें संस्करण में प्रकाशित शुभकामना संदेश में जिला शिक्षा पदाधिकारी मुजफ्फरपुर अब्दुस सलाम अंसारी ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार, बिहार के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का एक ऐसा मंच है जहां बिहार के विभिन्न जिलों के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित नवाचारी गतिविधि को साझा करते हैं।

शिक्षकों द्वारा साझा किए गए नवाचारी गतिविधि से सभी शिक्षक एक दूसरे के नवाचारों से प्रेरणा लेते हैं और उसे अपने विद्यालय में भी अपनाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षा व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से देखने को मिलते रहता है।

साथ ही उन्होंने बिहार के शिक्षकों से अपने शुभकामना संदेश के माध्यम से कहा है कि बिहार के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं अपने-अपने विद्यालय के बच्चों के बीच वर्ग कक्ष में आवश्यकतानुसार शिक्षण अधिगम सामग्री का समुचित प्रयोग एवं शिक्षण शैली में नवाचारी गतिविधि का समावेशन शत-प्रतिशत करने का प्रयास करें। साथ ही अपने उत्कृष्ट नवाचारी गतिविधि से संबंधित फोटोज एवं विडियोज को छात्र एवं शिक्षक हित में टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जरूर साझा करें।

जिससे अन्य विद्यालयों के अधिक से अधिक शिक्षक एवं बच्चे लाभान्वित हो सकें।

उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार ने दी।

RNI NO. BIHBIL02428 हिंदी/English
राइजिंग बिहार
राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित बिहार का साप्ताहिक समाचार पत्र / बिहार के रंग, रचनात्मकता के संग
साप्ताहिक | वर्ष : 02 | अंक : 52 | बिहार | 27 दिसम्बर से 02 जनवरी, 2022 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 3/- | डी.एम. नं-06

The 19th edition of the monthly magazine "Baal Manch" of Teachers of Bihar dedicated to children and teachers was published

All teachers must share the photos and videos related to the excellent innovation activity organized in their school on the social media platform of Teachers of Bihar in the interest of students and teachers. Abdus Salam Ansari, District Education Officer, Muzaffarpur Shiv Kumar, Patron of Patna District, Head Editor, Banka District, Bounsi Block Ruby Kumari, teacher of Upturned Middle School Sarooni, Editor Graphic Designer, courtesy of Tripurari Rai, teacher of Madhya Vidyalaya Rounti, Mahishi Block, Saharsa District, edited courtesy of Bihar's only educational monthly magazine Is an initiative, which involves experiments of innovations in educational and co-educational activities organized among children studying in primary, secondary and higher secondary schools of Bihar. Muzaffarpur District Education Officer Abdus Salam Ansari in his congratulatory message published in the 19th edition of Teachers of Bihar's educational monthly magazine Bal Manch said that Teachers of Bihar is a forum for teachers of government schools in Bihar where government officials from different districts of Bihar All the teachers working in the schools share the innovative activity organized in their respective schools. The innovative activity shared by the teachers inspires all the teachers from each other's innovations and also adopts it in their school resulting in unprecedented changes in the education system being seen through various social media platforms. At the same time, he has conveyed through his congratulatory message to the teachers of Bihar that the teachers of Bihar should make proper use of teaching aids in the classroom among their school children as per the requirement and 100% inclusion of innovative activity in the teaching style. Try to Also, be sure to share photos and videos related to your excellent innovation activity on the social media platform of Teachers of Bihar in the interest of students and teachers. So that more and more teachers and children of other schools can benefit. The information was given by Teachers of Bihar spokesperson Ranjesh Kumar and media in-charge Tirhut Division, Naseem Akhtar

RNI NO. BIHBIL02428 हिंदी/English
राइजिंग बिहार
राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित बिहार का साप्ताहिक समाचार पत्र / बिहार के रंग, रचनात्मकता के संग
साप्ताहिक | वर्ष : 03 | अंक : 3 | बिहार | 17 जनवरी से 23 जनवरी, 2022 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 3/- | डी.एम. नं-06

Founder Shiv Kumar released the annual report card on the occasion of the third foundation day of Teachers of Bihar

Bihar: Teachers of Bihar, the largest professional learning community of Bihar, has decided to celebrate the establishment festival for a month through social media platform from January 20 to February 20, on the occasion of its third foundation day. Teacher of Patna district, Shiv Kumar, founder of Teachers of Bihar, said that in this festival, different activities will be organized every day on social media platforms. The one-month-long establishment festival started on Thursday through the Zoom Cloud Meeting App in the presence of hundreds of teachers, the author of Bihar State Prayer, MR. By lighting the lamp by Chishti and the entire team, Bihar state prayer was done. After this, first of all, the annual report card of the works of the last year was presented by the founder Shiv Kumar. Also "Teachers of Bihar Geet", composed by the author of Bihar State Prayer, M.R. Chishti has been adopted. Not only this, in the coming time, it was also announced to publish any program or publication of any composition of Teachers of Bihar by including "Teachers of Bihar Geet".

In this establishment festival program, the achievements of their respective teams were presented in turn by all the team leaders. In which TOB Calendar and Day Gyan Shashidhar Ujjwal, Ideabinar 1.0 Chandan Srivastava, ICT Shivendra Suman, School on Mobile Umakant Kumar, School on Mobile Higher Secondary Kumari Guddi, E Magazine Chandrashekhar Sahu, Balmanch Ruby Kumari, Kutumb App Keshav Kumar and Mrityunjay Thakur, Twitter and TOB Gyan Khushboo Kumari, Instagram and Ku App Mudit Kumar, Facebook Page and Group Satyanarayan Sah, Press and Media Ranjesh Kumar, Poster Editing and Day Special Madhu Priya, Yoga and Art Mrityunjayam, Photos of the Day Jyoti Kumari, Activity of the Day Mridula Sinha, District Mentor Sunil Kumar and Shailendra Kumar, Block Mentor Shoaib Ahmed and upcoming action plan were presented by Chanchal Tiwari. Finally the foundation day program ended with the national anthem.

On the foundation day of Teachers of Bihar, Professor K. C. Sinha Vice Chancellor Nalanda Open University, Syed Abdul Moin Former Director SCERT and Mohammad Jamaluddin District Program Officer Establishment Muzaffarpur were bestowed by many educationists.

This information was given by the spokesperson of Teachers of Bihar Ranjesh Kumar and media in-charge of Tirhut division, Mohd. Naseem Akhtar.

दैनिक भास्कर मुंगेर 22-01-2022

20 फरवरी तक रोज अलग-अलग गतिविधि की जाएगी आयोजित

टीचर्स ऑफ बिहार का एक माह तक चलने वाला स्थापना महोत्सव समारोह हुआ शुरू

बरियारपुर | टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा तीसरे स्थापना दिवस पर 20 जनवरी से 20 फरवरी तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्थापना महोत्सव मनाने का निर्णय लिया है। पिक्चर्स ऑफ बिहार के जिला मेंटर मुदित कुमार ने बताया कि महोत्सव में प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधि आयोजित की जाएगी। स्थापना महोत्सव की शुरुआत गुरुवार को जूम क्लाउड मीटिंग ऐप के माध्यम से सैकड़ों शिक्षकों की उपस्थिति में बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एम. आर. चिश्ती एवं पूरी टीम के द्वारा दीप प्रज्वलित करते हुए बिहार राज्य प्रार्थना से की गई है। स्थापना महोत्सव कार्यक्रम में टीम के सभी लीडर के द्वारा अपने-अपने टीम की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया।

जिसमें टीओबी कैलेंडर एवं दिवस ज्ञान शशिधर उज्जवल, आइडियाबिनार 1.0 चंदन श्रीवास्तव, आईसीटी शिवेंद्र सुमन, स्कूल ऑन मोबाइल उमाकांत कुमार, स्कूल ऑन मोबाइल उच्चतर माध्यमिक कुमारी गुड्डी, ई मैगजीन चंद्रशेखर साहू, बालमंच रूबी कुमारी, कुटुंब ऐप केशव कुमार एवं मृत्युंजय ठाकुर, ट्वीटर एवं टीओबी ज्ञान खुशबू कुमारी, इंस्टाग्राम एवं कू ऐप मुदित कुमार, फेसबुक पेज एवं ग्रुप सत्यनारायण साह, प्रेस एवं मीडिया रंजेश कुमार, पोस्टर एडिटिंग एवं दिवस विशेष मधु प्रिया, योग एवं आर्ट मृत्युंजयम, फोटोज ऑफ द डे ज्योति कुमारी, एक्टिविटी ऑफ द डे मृदुला सिन्हा, डिस्ट्रिक्ट मेंटर सुनील कुमार एवं शैलेंद्र कुमार, ब्लॉक मेंटर शोएब अहमद एवं आगामी कार्य योजना चंचल तिवारी ने प्रस्तुत किया।

ऑनलाइन बैठक में शामिल शिक्षक।

सच्चाई की राह........
बिहार दर्शन न्यूज
सासाराम, शनिवार 22 जनवरी, 2022 www.livebihardarshan.com

फाउंडर शिव कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट कार्ड किया जारी

पटना, बिहार दर्शन। टीचर्स ऑफ बिहार ने बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एमआर चिश्ती रचित 'टीचर्स ऑफ बिहार गीत' को तृतीय स्थापना दिवस के अवसर पर किया अंगीकृत। बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार अपने तीसरे स्थापना दिवस के अवसर पर 20 जनवरी से 20 फरवरी तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक माह तक स्थापना महोत्सव मनाने का निर्णय लिया है। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने कहा कि इस महोत्सव में प्रतिदिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग गतिविधि आयोजित की जाएगी। एक माह तक चलने वाले इस स्थापना महोत्सव की शुरुआत जूम क्लाउड मीटिंग एप्प के माध्यम से सैकड़ों शिक्षकों की उपस्थिति में बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एमआर चिश्ती एवं पूरी टीम के द्वारा दीप प्रज्वलित करते हुए बिहार राज्य प्रार्थना से की गई। इसके उपरांत सर्वप्रथम फाउंडर शिव कुमार के द्वारा विगत वर्ष के कार्यों का वार्षिक रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। साथ ही 'टीचर्स ऑफ बिहार गीत' जिसकी रचना बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एम आर चिश्ती के द्वारा की गई है। उसे अंगीकृत किया गया। इतना ही नहीं आने वाले समय में टीचर्स ऑफ बिहार के किसी भी कार्यक्रम या किसी भी रचना के प्रकाशन में 'टीचर्स ऑफ बिहार गीत' को शामिल करते हुए प्रकाशित करने की भी घोषणा की गई। इस स्थापना महोत्सव कार्यक्रम में टीम के सभी लीडर के द्वारा अपने-अपने टीम की उपलब्धियों को बारी-बारी से प्रस्तुत किया गया, जिसमें टी ओ बी कैलेंडर, दिवस ज्ञान शशिधर उज्जवल, आइडिया बिनार 1.0 चंदन श्रीवास्तव, आईसीटी शिवेंद्र सुमन, स्कूल ऑन मोबाइल उमाकांत कुमार, स्कूल ऑन मोबाइल उच्च माध्यमिक कुमारी गुड्डी, ई मैगजीन चंद्रशेखर साहू, बालमंच रूबी कुमारी, कुटुंब ऐप केशव कुमार एवं मृत्युंजय ठाकुर, ट्वीटर एवं टीओबी ज्ञान खुशबू कुमारी, इंस्टाग्राम एवं कू ऐप मुदित कुमार, फेसबुक पेज एवं ग्रुप सत्यनारायण साह, प्रेस एवं मीडिया रंजेश कुमार, पोस्टर एडिटिंग एवं दिवस विशेष मधु प्रिया, योग एवं आर्ट मृत्युंजयम, फोटोज ऑफ द डे ज्योति कुमारी, एक्टिविटी ऑफ द डे मृदुला सिन्हा, डिस्ट्रिक्ट मेंटर सुनील कुमार एवं शैलेंद्र कुमार, ब्लॉक मेंटर शोएब अहमद एवं आगामी कार्य योजना चंचल तिवारी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रगान के साथ स्थापना दिवस कार्यक्रम की समाप्ति की गई। टीचर्स ऑफ बिहार के स्थापना दिवस पर प्रो0 के.सी सिन्हा कुलपति नालंदा खुला विश्वविद्यालय, सैयद अब्दुल मोइन पूर्व निदेशक एससीईआरटी एवं मो0 जमालुद्दीन जिला कार्यक्रम अधिकारी स्थापना मुजफ्फरपुर सहित कई शिक्षाविद के द्वारा शुभकामना दिया गया। इसकी जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं तिरहुत प्रमंडल के मीडिया प्रभारी मो0 नसीम अख्तर ने दी।

दैनिक भास्कर अररिया 22-01-2022

टीचर्स ऑफ बिहार की मनाया गया तृतीय स्थापना दिवस

एक माह तक कई गतिविधियों का होगा आयोजन

भास्कर न्यूज | बथनाहा

बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार अपने तीसरे स्थापना दिवस के अवसर पर 20 जनवरी से 20 फरवरी तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक माह तक स्थापना महोत्सव मनाने का निर्णय लिया है।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिक्षक शिव कुमार ने कहा कि इस महोत्सव में प्रतिदिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग गतिविधि आयोजित की जाएगी।

एक माह तक चलने वाले इस स्थापना महोत्सव की शुरुआत गुरुवार को जूम क्लाउड मीटिंग एप के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एम आर चिश्ती के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उक्त मौके पर सैकड़ों शिक्षक उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद बिहार राज्य प्रार्थना गया गया। इसके उपरांत शिव कुमार के द्वारा विगत वर्ष के कार्यों का वार्षिक रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। तत्पश्चात टीचर्स ऑफ बिहार गीत तथा बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एमआर चिश्ती को अंगीकृत किया गया।

स्थापना महोत्सव कार्यक्रम में टीम के सभी लीडर के द्वारा अपने-अपने टीम की उपलब्धियों को बारी-बारी से प्रस्तुत किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ स्थापना दिवस कार्यक्रम की समाप्ति की गई। टीचर्स ऑफ बिहार के स्थापना दिवस पर प्रोफेसर के. सी. सिन्हा कुलपति नालंदा खुला विश्वविद्यालय, सैयद अब्दुल मोइन पूर्व निदेशक एससीईआरटी एवं मोहम्मद जमालुद्दीन जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना मुजफ्फरपुर सहित कई शिक्षाविद के द्वारा शुभकामना दिया गया। इस आसय की जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रवक्ता रंजेश कुमार ने दिया।

Created with
PDFBear.com

रोचक तथ्य

ऐसा पक्षी जो कभी जमीन पर नहीं रखता पैर

आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत के महाराष्ट्र राज्य का राजकीय पक्षी हरियल एक ऐसा पक्षी है, जो अपना पैर कभी धरती पर नहीं रखता है. इन पक्षियों को ऊंचे-ऊंचे पेड़ वाले जंगल पसंद हैं. यह अक्सर अपना घोंसला पीपल और बरगद के पेड़ पर बनाते हैं. अधिकतर हरियल पक्षी झुंड में ही पाये जाते हैं. हरियाल पक्षी के बारे में कहा जाता है कि यह अपने पूरे जीवन में कभी भी जमीन पर पैर नहीं रखता है, क्योंकि ये पक्षी वृक्षवासी होते हैं और अक्सर पेड़ों पर ही रहना पसंद करते हैं.

पीले पैर और कबूतर की तरह दिखने वाले हरियल का आकार 29 से 33 सेमी के बीच होता है. पूंछ की लंबाई 8 से 10 सेमी के बीच होती है. हरियल का वजन 225 से 260 ग्राम के बीच होता है. पक्षी की गर्दन सुनहरे पीले रंग का होता है. वे सोशल बर्ड कहलाते हैं और झुंड में रहना पसंद करते हैं. इनके प्रजनन का मौसम मार्च से जून के बीच होता है. इसका वैज्ञानिक नाम Treron Phoenicoptera है.

Soumya Shree, Class- 2, MS Khaira, Sameli

Ekta Kumari, Class- 7, MS Pokhram
Uttari Biroul ,Darbhanga

Anjali Kumari, Class- 2, MS Pokhram
Uttari Biroul, Darbhanga

Amrit Raj, Class- 8, MS Pokhram Uttari Biroul, Darbhanga

Created with
PDFBear.com

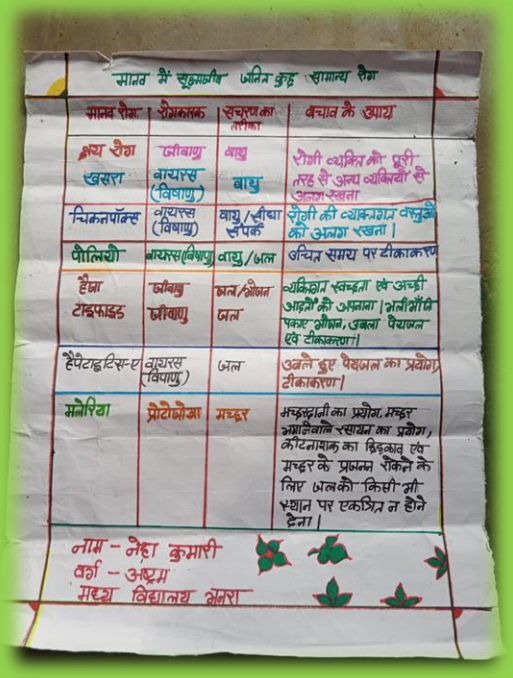

नेहा कुमारी, वर्ग- 8, मध्य विद्यालय भनरा, चांदन

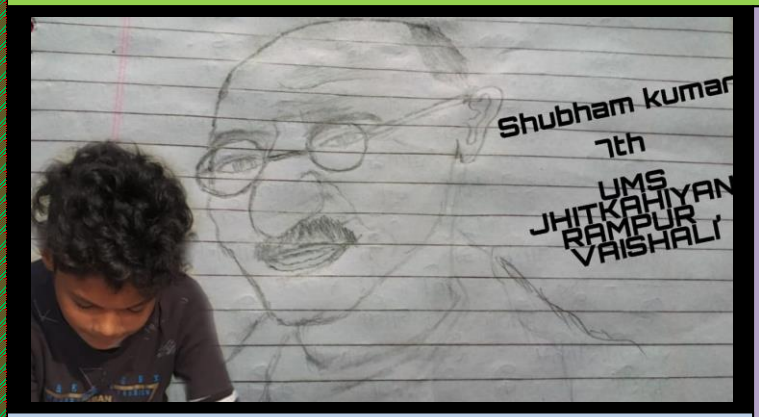

Sumit Soni, Class-8 , Girls Middle School Kutumba Aurangabad

Ishika Kumari, MS Akhlaspur, Bhabhua

Neelam Kumari, Class- 8,
Girls Middle School, Kutumba Aurangabad

Created with
PDFBear.com

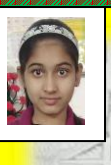

Sheetal Kumari, Class- 8, MS Pokhram Uttari Biroul, Darbhanga

Kalyani Kumari, Class- 8, MS Pokhram Uttari Biroul, Darbhanga

Lakshmi Kumari, Class- 3, MS Pokhram Uttari Biroul, Darbhanga

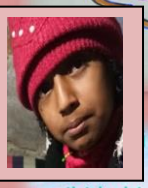

Khushboo Kumari, Class- 8, MS Pokhram Uttari Biroul, Darbhanga

Created with PDFBear.com

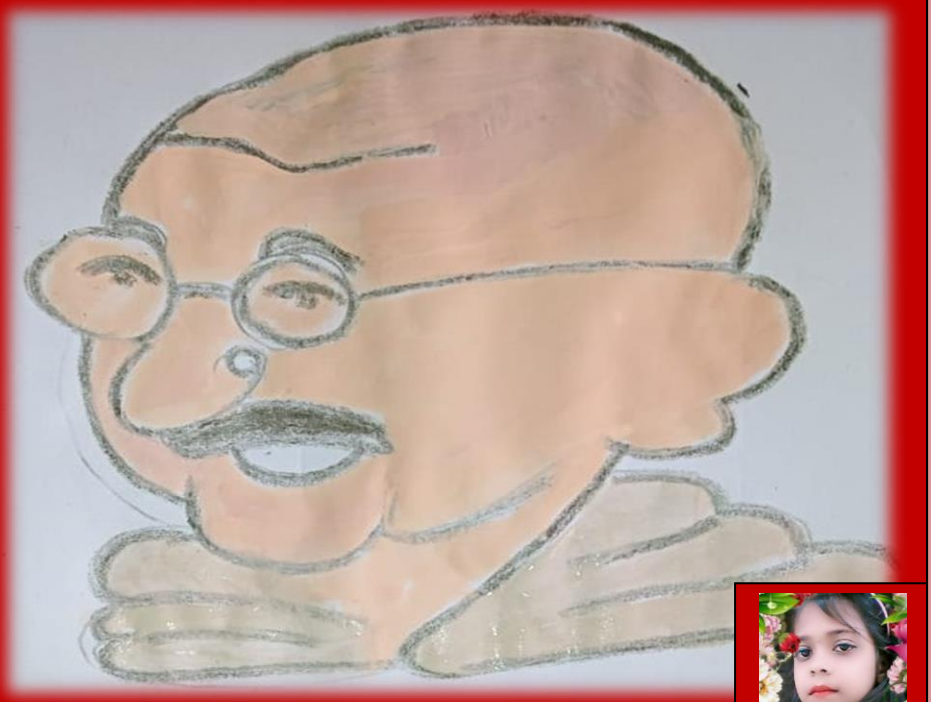

Diksha, MS Pokhram Uttari Biroul, Darbhanga

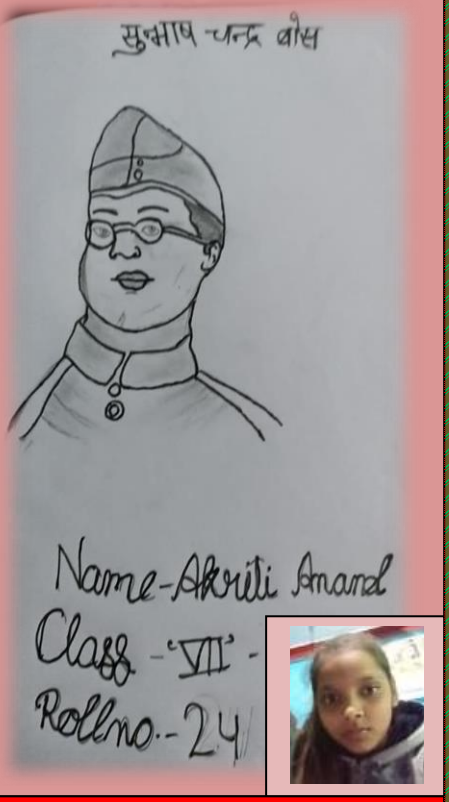

Khushi Raj, Class- 5, MS Pipra Amour Purnia

Akash Priyadarshi, Class- 5

Created with
PDFBear.com

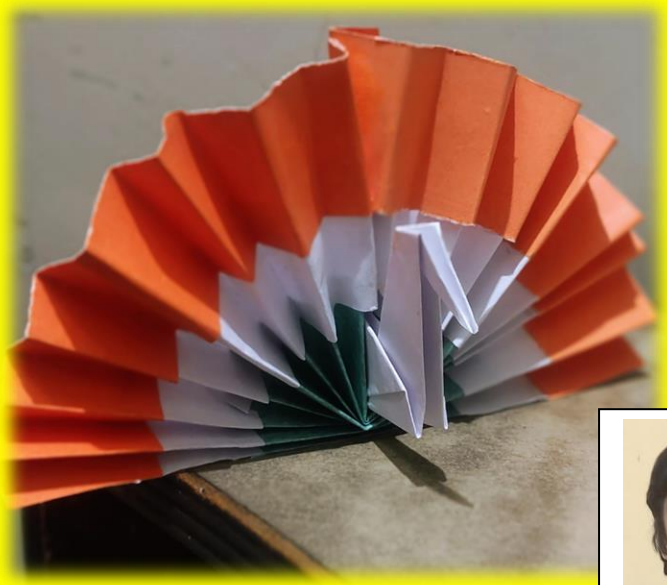

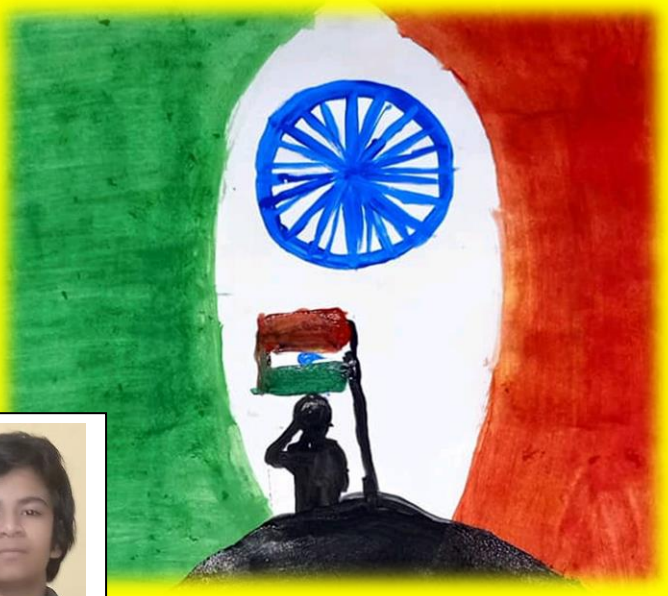

Shreyash Jha, UMS Bihma Tarapur Munger

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको बालमंच का ये अंक कैसा लगा हमें अवश्य बताएँ| आप हमें नीचे दिए गए किसी भी माध्यम email या whatsapp द्वारा सूचित कर सकते हैं|

email- balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp No. :- 6202839650

(Tripurari Roy)

धन्यवाद

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-

https://www.teachersofbihar.org/award

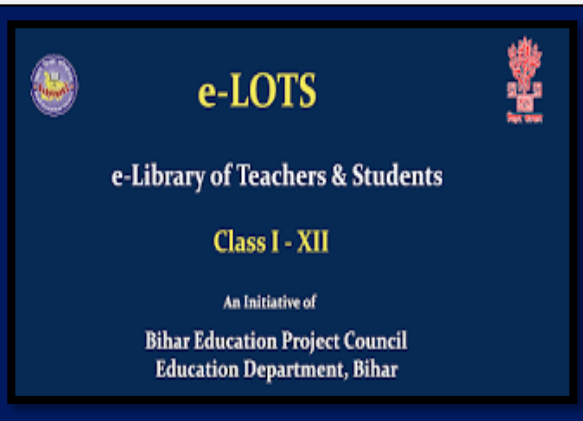

Created with PDFBear.com

THANKS FOR A VIEW